समाजीकरण की विशेषता

समाज के बाहर व्यक्ति व्यक्ति नहीं है। समाज से पृथक वह असहाय है। समाज से दूर होकर वह चल-फिर नहीं सकता, बोल-चाल नहीं सकता। समाज के अभाव में व्यक्ति का जीवन यदि असम्भव नहीं तो कठिन एवं दुभर अवश्य है, किन्तु समाज कोई ऐसा जादुई करिश्मा नहीं कर देता है जन्म लेते ही बच्चा चलने-फिरने लगे, बोलने चालने लगे, समझने-समझाने लगे। ऐसा तो सामूहिक जीवन के दौरान जीवन पर्यन्त चलने वाली एक प्रक्रिया के द्वारा सम्भव होता है। इसी प्रक्रिया को समाजीकरण (Socialization) कहते हैं।

समाजीकरण की विशेषता

(1) समाजीकरण सीखने की प्रक्रिया है :—

समाजीकरण सीखने का एक प्रक्रिया है। इसके द्वारा व्यक्ति समाज में संस्कृति, आदर्श, मूल्य और परम्परा के अनुरूप व्यवहार करना सीखता है। चलना, बोलना खाना तथा कपड़ा पहनना, पढ़ना-लिखना आदि क्रियाएं व्यक्ति समाज में सीखता है। किन्तु समाज में सभी प्रकार की क्रियाओं को सीखना समाजीकरण नहीं है। झूठ बोलना, चोरी करना, शराब पीना, अन्य नशा करना, जुआ या सट्टा खेलना, मिलावट या कालाबाजारी करना आदि आपराधिक प्रवृत्ति को बढ़ावा देने वाली क्रियाएँ को सीखना समाजीकरण नहीं है। ये क्रियाएं सीखने की प्रक्रिया को नकारात्मक पक्ष है।

(2) समाजीकरण एक निरंतर प्रक्रिया है:—

समाजीकरण की प्रक्रिया व्यक्ति के जन्म से लेकर मृत्यु पर्यन्त चलती रहती है, व्यक्ति जीवन पर्यन्त सीखता रहता है।

(3) समाजीकरण की प्रक्रिया सापेक्षिक होती है:—

समाजीकरण की प्रक्रिया समय व स्थान के सापेक्ष होती है। प्राचीनकाल में अभिवादन की रीति दण्डवत प्रणाम करना अथवा चरण स्पर्श करना था। किन्तु अब हाथ मिलाना, हैलो या हाय के उच्चारण से स्वागत करना आधुनिकता का सूचक है। इसी प्रकार प्राचीन भारतीय समाज में पर्दा प्रथा का प्रचलन नहीं हुआ था। निश्चित रूप से मध्यकाल से उत्तर भारत में पर्दा प्रथा का प्रचलन हुआ जो कमोबेश अभी भी विद्यमान है जबकि, दक्षिण भारत में पर्दा प्रथा का प्रचलन नहीं है।

(4) समाजीकरण में सांस्कृतिक तत्वों को आत्मसात किया जाता है:—

समाजीकरण के द्वारा व्यक्ति अपने समाज की भौतिक एवं अभौतिक संस्कृति के निम्नलिखित तत्वों को आत्मसात कर लेता है। किसी समाज के आदर्श, मूल्य, व्यवहार के प्रतिमान क्या होंगे का निर्धारण संस्कृति करती है। व्यक्ति समाजीकरण प्रक्रिया द्वारा जाने-अनजाने दोनों ही रूपों में अपनी संस्कृति को आत्मसात कर अपना व्यक्तित्व उसके अनुरूप ढालता है।

(6) समाजीकरण की प्रक्रिया द्वारा संस्कृति का हस्तांतरण होता है:—

व्यक्ति अपने परिवार में अपनी संस्कृति को सीखता है और फिर उसे वह परिवार के नए सदस्यों को सिखाता है इस प्रकार, संस्कृति हस्तान्तरित होती है।